© INTERNATIONAL JOURNAL FOR RESEARCH PUBLICATION & SEMINAR
ISSN: 2278-6848 | Volume: 06 Issue: 06 | October - December 2015
Paper is available at www.jrps.in | Email : info@jrps.in

निजी और सरकारी स्कूलों की शिक्षा की गुणवत्ता की समीक्षा

सुरेश कुमार , शोधकर्ता |

सार : हाल ही में जारी वार्षिक भारत में ग्रामीण शिक्षा पर शिक्षा रिपोर्ट (असर) 1 स्थिति दो मुख्य निष्कर्षों में शामिल है। सबसे पहले , ग्रामीण भारत में प्राथमिक स्कूल उम्र के बच्चों के बीच सीखने के स्तर में सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए) और शिक्षा का अधिकार (आरटीई) के तहत 2 शिक्षा खर्च में लगातार वृद्धि के बावजूद अनुचित ढंग से कम हो रहे हैं। दूसरा, वहाँ शुल्क चार्ज निजी स्कूलों के पक्ष में मुक्त सरकारी स्कूलों को छोड़ माता-पिता के अंश में लगातार वृद्धि , ग्रामीण भारत में निजी स्कूल में नामांकन की हिस्सेदारी के साथ 19% से जबकि विश्वसनीय 2013 में 29% करने के लिए 2006 में बढ़ कर दिया गया है वार्षिक डेटा शहरी भारत के लिए मौजूद नहीं है , शहरी भारत में निजी स्कूल में हिस्सेदारी 2005 में 58% होने का अनुमान था (भारतीय मानव विकास सर्वेक्षण (IHDS) डेटा का उपयोग) , और 2013 में काफी अधिक होने की संभावना है ।

© iJRPS International Journal for Research Publication & Seminar

सरकारी स्कूलों बनाम निजी स्कूल

क्या सिखाया जा रहा है और जो सिखाया भी इन सरकारी स्कूलों में जांच के दायरे में आता है। जब निजी स्कूलों के साथ तुलना में सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता के निशान से ऊपर नहीं है। छात्रों के अधिकांश , पांचवीं कक्षा की भी नहीं पता है कि कैसे पढ़ने के लिए। अगर वे तो वे सिर्फ इन समझने के बिना सबक याद।

सरकारी स्कूलों के ऊपर-भरे होते हैं। शिक्षक-छात्र अनुपात निजी स्कूलों की तुलना में अधिक है। के रूप में भारत के टाइम्स (टाइम्स ऑफ इंडिया) के प्राथमिक स्कूलों की अधिकतम संख्या 50 के शिक्षक-छात्र अनुपात द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार: 1। शिक्षक कई भूमिकाएं निभाता है। कई सरकारी स्कूलों में केवल कागज पर मौजूद हैं, वास्तव में या तो अपने बुनियादी ढांचे को पूरी तरह या आंशिक रूप से बर्बाद कर दिया है। ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी स्कूलों के अधिकांश उचित स्कूलों लेकिन एक कमरे तक ही सीमित नहीं हैं। इस तरह के मुद्दों सरकारी स्कूलों से कम उपस्थिति और उच्च ड्रॉप आउट दर के लिए जोड़ें।

Note :For Complete paper/article please contact us info@jrps.in

Please don't forget to mention reference number , volume number, issue number, name of the authors and title of the paper